

SHRI ANANDAN SIVAMANI

Schooled in both the Carnatic rhythmic tradition and Western Jazz drums, Sivamani is truly a World Percussionist - surrounding his kit with an array of instruments. He has played world over with some of the best International artistes & is also a part of World music outfits such as the ZAKIR HUSSAIN World Drums Ensemble & SILK, besides his own bands ASIA ELECTRIK, SIRAHA Trio & NEW LIFE. Infact, no major film or World tour of multi-Oscar and multi-Grammy winner A R Rahman is complete without Sivamani's daunting presence.

2. Born on December 12, 1959, and by the age of 7, Siva inherited his rhythmic brilliance from his father Late S M Anandan, a well-known drummer in the South Indian Film Industry. He went on to give his first stage performance at the age of 12. His first studio break was playing for South Indian Master Creator K V Mahadevan. By the age of 13, he had a professional music career with recordings under the watchful eyes of the legend S P Balasubramaniam.

3. His style is deceptive for the uninitiated - deeply profound and mysterious at one moment, tantalizing and exuberant at the next. However, augmenting the brute power, are his rhythmic style and harmony, which surround the discerning listener with warmth, joy and bliss. What makes him unique is not only his constant search for new techniques, new sounds & newer rhythmic configurations, but also his incredible showmanship. He is currently endorsing all the leading International Music brands such as Zildjian, Pearl, Roland, AKG and Remo.

4. Siva's earliest experiments have been with Maestros K. Vaidyanathan, T V Gopalakrishnan, Valayapatti Subramaniam, Pazhanivel & L. Shankar. His dream came true when he was invited to share the stage with Ustad Zakir Hussain along with Trilok Gurtu, opening up myriad musical possibilities. He later took lessons from the great rhythm masters Vikku Vinayakram (Ghatam), T K Murthy (mridangam) and Late Nagarajan (Kanjira).

5. A sought after performer both on Live-shows and recordings, Siva is widely recognized as one of India's best drummers. Ustad Zakir Hussain in a live show presented him as a "phenomenon that walks the planet but once or twice in a century". South Indian geniuses Illayaraja and A R Rahman and other Bollywood music directors all regularly engage his variety of percussion, for their film music score. His drumming in some of the biggest Bollywood movies including Roja, Dil Se, Lagaan, Rang De Basanti', Jai Ho, etc. has made the music of these movies memorable.

6. Sh. Sivamani has got many awards / Honours such as - title of 'Kalalmamani' by the Tamil Nadu State Government in 2009, Best Debut Music Director at the Times Group's Mirchi Music Awards in 2016, BEST LIVE PERFORMER award at India's most prestigious Live Events Industry's Live Quotient Awards in 2015. In 2015, he was invited to conduct a Master Class at the Berklee College of Musk, USA. Sivamanl had the honour of performing at the UN General Assembly, Now York, In 2015, at a concert alongwith A.R.Rehman to celebrate India's 70th year of Independence, he was presented with the coveted GOLDEN EAGLE AWARDS 2018 in Chicago, in July 2018, by senior US Congressman Danny K. Davis and his MEATF organization. More recently in Dec 2018, he won the BEST INSTRUMENTAL MUSICIAN award at the INDIWOOD EXCELLENCE AWARDS.

पद्म श्री



श्री आनंदन सिवामणि



कर्नाटक संगीत की लयबद्ध परंपरा तथा पाश्चात्य जैज ड्रम दोनों में समान रूप से प्रशिक्षित तथा चारों ओर विभिन्न ताल वाद्य यंत्रों से घिरे शिवमणि वस्तुत: एक विश्वस्तरीय तालवादक हैं। आपने विश्व के कुछ बेहतरीन कलाकारों के साथ पूरी दुनिया में अपनी प्रस्तुति दी है और अपने स्वयं के 'एशिया इलेक्ट्रिक' 'सिराहा ट्राओ' और न्यू लाइफ नामक संगीत बैंड्ज के अतिरिक्त 'जाकिर हुसैन वर्ल्ड ड्रम्ज असेंमबल' तथा 'सिल्क' जैसे विश्वस्तरीय संगीत मंडली के भी सदस्य हैं। वास्तव में अनेक ऑस्कर तथा ग्रैमी विजेता ए. आर. रहमान का कोई भी मुख्य फिल्म अथवा वर्ल्ड टूर सिवामणि की विशेष उपस्थिति के बिना पूरा नहीं होता है।

2. आपका जन्म 12 दिसंबर, 1959 को हुआ था। आपने सात वर्ष की उम्र तक अपने पिता स्वर्गीय श्री एस एम आनंदन जो दक्षिण भारतीय फिल्म जगत के जाने माने तालवादक थे, से संगीत की शानदार लयबद्ध परंपरा विरासत में पायी। आपने 12 वर्ष की आयु में अपनी प्रथम मंच प्रस्तुति दी। आपको अपनी प्रथम स्टुडियो प्रस्तुति दक्षिण भारतीय महान कलाकार के.बी. महादेवन की ओर से मिली। 13 वर्ष की आयु तक आपके व्यावसायिक जीवन की शुरुआत दिग्गज एस. पी. बालासुब्रह्मण्यम की सजग देखरेख में हो चुकी थी।

3. आपकी वाद्य शैली साधारण श्रोता के लिए अबूझ होती है और पहली बार अत्यधिक गहन और रहस्यमय होती है और अगले ही क्षण वह बेहद जादू और रोमांच से भर देती है। हालांकि, जोश को बुलंद करना उनकी लयपूर्ण शैली और स्वर संगति है जो उत्सुक श्रोताओं को भाव, हर्ष और आनंद के अतिरेख में डुबो देती है। आपके इस अनूठे अंदाज के पीछे आपकी नई तकनीकें, नई धुनें तथा अभिनव लय विन्यास की अनवरत खोज ही नहीं बल्कि अविश्वसनीय प्रस्तुति कौशल भी है। वर्तमान में आप सभी अग्रणी अंतरराष्ट्रीय संगीत ब्रांड जैसे कि जिल्डजियन, पर्ल, रोलैंड, एकेजी तथा रेमो के साथ संबद्ध हैं।

4. आपके शुरूआती प्रयोग के. वैद्यनाथन्, टी. वी. गोपालकृष्णन, वल्यपति सुब्रह्मण्यम, पझानिवेल तथा एल. शंकर के साथ रहे हैं। आपके लिए यह एक स्वप्न के सच होने की भांति था जब आपको उस्ताद ज़ाकिर हुसैन तथा त्रिलोक गुर्टू के साथ मंच साझा करने के लिए आमंत्रित किया गया जिसके बाद आपके लिए संगीत के क्षेत्र में असंख्य अवसर पैदा हो गए। बाद में आपने विख्यात तालवादक संगीतज्ञों विक्कू विनायकराम (घटम), टी. के. मूर्ति (मृदंगम) तथा स्वर्गीय नागराजन (कंजीरा) से संगीत के गुर सीखे।

5. आप लाइव शो तथा रिकॉर्डिंग के लिए सर्वाधिक पसंदीदा कलाकार हैं और आप भारत के सर्वोत्तम ड्रमवादक के रूप में जाने जाते हैं। एक लाइव शो के ही दौरान उस्ताद ज़ाकिर हुसैन ने आपका परिचय देते हुए कहा था कि आप "ऐसे अद्भुत कलाकार हैं जो धरती पर शताब्दी में एक या दो बार ही पैदा होते हैं।" दक्षिण भारतीय दिग्गज हस्तियों जैसे कि इलैयाराजा तथा ए. आर. रहमान और अन्य बॉलीवुड संगीत निर्देशक अपनी फिल्मों के संगीत में आपकी विविधतापूर्ण को नियमित रूप से प्रयोग करते हैं। आपके ताल वाद्य के कारण कई बड़ी बॉलीवुड फिल्मों जैसे कि रोजा, दिल से, लगान, रंग दे बसंती, जय हो इत्यादि के संगीत को यादगार बना दिया है।

6. श्री सिवामणि को अनेक पुरस्कार/सम्मान जैसे कि वर्ष 2009 में तमिलनाडु राज्य सरकार द्वारा कलालममणि पुरस्कार, वर्ष 2016 में टाइम्स ग्रुप के मिर्ची म्युजिक अवार्ड्स के अंतर्गत सर्वश्रेष्ठ उदीयमान संगीत निर्देशक पुरस्कार, वर्ष 2015 में भारत के प्रतिष्ठित लाइव इवेंट्स इंडस्ट्रीज लाइव कोशेंट एवॉर्डज़ समारोह में बेस्ट लाइव परफोर्मर पुरस्कार दिए गए हैं। वर्ष 2015 में उन्हें बर्कले कॉलेज ऑफ मस्क, अमेरिका द्वारा एक 'मास्टर क्लास' प्रस्तुति देने के लिए आमंत्रित किया गया। सिवामणि को वर्ष 2018 में आपको भारत के 70वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर श्री ए. आर. रहमान के साथ संयुक्त राष्ट्र महासभा, न्यूयॉर्क में प्रस्तुति देने का सम्मान प्राप्त हुआ। आपको जुलाई, 2018 में वरिष्ठ अमेरिकी कांग्रेसी नेता डैनी के. डेविस तथा उनकी संस्था एमईएटीएफ द्वारा प्रतिष्ठित गोल्डन ईगल अवॉर्ड 2018 दिया गया है। अभी हाल ही में, दिसंबर, 2018 में आपने इंडीवुड एक्सेलेंस अवॉर्डज समारोह में सर्वश्रेष्ठ वाद्य संगीतज्ञ पुरस्कार जीता है।